दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-१९० वा | सोमवार १० फ़रवरी २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

डॉ. आंबेडकर को लेकर राहुल सोलापुरकर के बयान से देशभर में आक्रोश की लहर

/विशेष प्रतिनिधि

मुंबई -

छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर विवादित बयान देने वाले विवादास्पद अभिनेता राहुल सोलापुरकर ने संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में दिए गए विवादित बयान के कारण पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। आंबेडकर आंदोलन के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उनके इस बयान की तीव्र निंदा की है और उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। आंबेडकरी संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई नहीं की, तो वे स्वयं ही उन पर कार्रवाई करेंगे।

सोलापुरकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्होंने कहा कि रामजी सकपाळ नामक एक बहुजन के घर में जन्मे भीमराव को 'आंबावडेकर' नामक गुरुजी ने गोद लिया और आगे चलकर उन्होंने उन्हीं का नाम अपनाया। भीमराव ने अत्यधिक अध्ययन किया, जिसके कारण, जैसा कि वेदों में कहा गया है, वह अपने अध्ययन के बल पर ब्राह्मण बन गए।

इस बयान से आंबेडकरी संगठनों में भारी आक्रोश है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (खरात गुट) के नेता सचिन खरात ने राहुल सोलापुरकर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। यदि उन्होंने माफी नहीं मांगी तो उनका मुंह काला करने की चेतावनी दी गई है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के नेता विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि राहुल सोलापुरकर ने एक बार फिर राष्ट्रनिर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में विवादास्पद शब्दों का इस्तेमाल किया है। सोलापुरकर को जहां भी देखा जाए, उसे सबक सिखाना चाहिए।

वहीं, भीम आर्मी के राष्ट्रीय महासचिव अशोक कांबळे ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार जल्द से जल्द एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार नहीं करती, तो हम खुद उसे घर से बाहर निकालकर सबक सिखाएंगे।

PARLI positive+ news

परली के शिरपेच में एक और पंख, इंजीनियर राजू जगतकर का दुबई में चयन

परली (तामीर न्यूज) परली के भूमिपुत्र इंजीनियर राजू श्रावणराव जगतकर, अपर्णा जगतकर और संपादक बालाजी जगतकर के छोटे भाई, जिनका दुबई में बुलेट ट्रेन के ऑपरेशन मैनेजर पद के लिए चयन हुआ है। उन्होंने दिल्ली और मुंबई में विभिन्न पदों पर मेट्रो रेल्वे का कार्य संभाला है। उन्होंने कई विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन देकर मुंबई मेट्रो में काम करने के लिए प्रेरित किया है।

वे आगामी १४ फरवरी को दुबई में अपने नए पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनके चयन के उपलक्ष्य में मित्रों, परिवारजनों और शुभचिंतकों द्वारा उनका सत्कार किया गया। विदेश जाने के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में परली समाचार के संपादक आत्मलिंग शेटे, वैद्यनाथ विद्यालय के सहशिक्षक राजेश साखरे, रामकिशन सावंत, प्रमोद सावंत, श्रावणराव जगतकर, बालाजी जगतकर, सिद्धार्थ जगतकर आदि ने शॉल, श्रीफल, पुष्पहार और पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया। इस चयन पर जगतकर खानदान को दैनिक तामीर मुबारकबाद पेश करता है।

सोशल कॉलेज सोलापुर के टॉप कॉलेजों में से एक: एडवोकेट यू.एन. बेरिया

सोशल कॉलेज के शिक्षक बहुत मेहनती और समाज के प्रति समर्पित हैं: नज़ीर मुनशी

सोलापुर (इकबाल बागवान) - सोशल कॉलेज, सोलापुर के प्रमुख कॉलेजों में से एक है और इसने अपनी गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए उल्लेखनीय प्रगति की है। यहां के छात्र उच्च पदों पर कार्यरत हैं। यह बात एडवोकेट यू.एन. बेरिया ने सोशल कॉलेज के ४७वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही।

समारोह के दूसरे मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध समाजसेवी नज़ीर मुनशी ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल कॉलेज के शिक्षक अत्यंत मेहनती और समाज के प्रति संवेदनशील हैं। उनकी कड़ी मेहनत और लगन के कारण यह कॉलेज सोलापुर के प्रतिष्ठित कॉलेजों में गिना जाता है।

हर साल की तरह इस वर्ष भी एस.एस.ए. आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में ४७वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य ई.जा. तंबोली ने की। इस अवसर पर एडवोकेट यू.एन. बेरिया और नज़ीर मुनशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस दौरान उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शफी चौबदार, अंग्रेजी विभाग की

अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. असमा खान, भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. सचिन राज गुरु, कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. ज़ैनुद्दीन मल्ला, फिजिकल डायरेक्टर डॉ. मुश्ताक शेख, जूनियर कॉलेज के सुपरवाइजर ज़ैनुद्दीन पटेल, डॉ. ग़ौस अहमद शेख, डॉ. दीपक नारायणकर, डॉ. लडाफ़, यूनुस शेख, तल्हा शेख सहित सीनियर और जूनियर कॉलेज के शिक्षक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी और पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र उपस्थित थे।

इस मौके पर प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शफी चौबदार, प्रोफेसर डॉ. असमा खान, डॉ. ग़ौस अहमद शेख, डॉ. सचिन राज गुरु, प्रोफेसर डॉ. ज़ैनुद्दीन मल्ला, डॉ. दीपक नारायणकर और डॉ. ताजुद्दीन लडाफ़ को इस वर्ष की विशेष उपलब्धियों के लिए शॉल और फूलों से सम्मानित किया गया।

समारोह में एम.ए. (उर्दू), बी.ए., बी.कॉम, एनसीसी, एनएसएस और खेलों में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। मिस्बाह शेख को गोल्ड मेडल और मोहसिन शेख को उर्दू विषय में जेआरएफ क्वालिफाई करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का परिचय प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शफी चौबदार ने दिया। संचालन डॉ. ग़ौस अहमद शेख ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सचिन राज गुरु ने किया।

मोदी सरकार में हुए घोटालों और लोकतंत्र पर हमलों पर अण्णा हजारे चुप क्यों?

संजय राऊत का सवाल

मुंबई: (जमीर काजी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में पिछले ११ वर्षों में देश और राज्य में इतने घोटाले और भ्रष्टाचार हुए, लोकतंत्र पर हमले हुए, लेकिन अण्णा हजारे ने इस पर एक शब्द भी क्यों नहीं कहा? उन्हें देश को यह स्पष्ट करना चाहिए, ऐसा ठाकरे गुट के नेता सांसद संजय राऊत ने रविवार को अण्णा हजारे को चुनौती दी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप (--झ) की करारी हार के बाद अण्णा हजारे ने इस पर प्रसन्नता जताई और अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल पर टिप्पणी की थी। इसी संदर्भ में पत्रकारों से बातचीत में संजय राऊत ने कहा कि अब अण्णा हजारे के बयानों का कोई महत्व नहीं रह गया है।

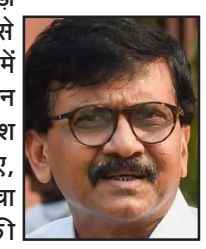

उन्होंने कहा, केजरीवाल और अण्णा हजारे ने मिलकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया था, जिससे अण्णा को देशभर में पहचान मिली। लेकिन पिछले १२ वर्षों में देश पर कई संकट आए, देश को लूटा गया, बेचा गया, देश की सार्वजनिक संपत्ति एक ही उद्योगपति के हाथों सौंपी जा रही है। भ्रष्ट नेताओं को बीजेपी में शामिल कर 'शुद्ध' किया जा रहा है। लेकिन अण्णा हजारे को इस पर अपनी राय व्यक्त करने की जरूरत महसूस नहीं होती। आखिर इसका राज़ क्या है?

उन्होंने कहा, मोदी सरकार के दौरान देश और महाराष्ट्र में कई घोटाले हुए, लोकतंत्र पर हमले हुए, अत्याचार हुए, लेकिन अण्णा हजारे ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, एक शब्द भी नहीं कहा। लेकिन जब केजरीवाल की दिल्ली में हार हुई, तो उनके चेहरे पर खुशी देखी गई। उनकी इस खुशी से लोकतंत्र को नुकसान होगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव पर टिप्पणी करते हुए राऊत ने कहा:एक्ज़िट पोल का अनुमान बिल्कुल सही साबित हुआ।ऐसा लग रहा था जैसे बीजेपी ने चुनाव पहले ही अपने पक्ष में मोड़ लिया था।

पिछले एक साल से आम आदमी पार्टी (आप) का पतन सभी ने देखा।अगर आप और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ते, तो नतीजे कुछ और होते।

उन्होंने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा, अब तय करना होगा कि हमें साथ आकर लड़ना है या अलग-अलग। नहीं तो हम सब मिलकर देश में हो रहे अन्याय को मौन सहमति दे रहे होंगे।राऊत ने कहा, अगर कांग्रेस को आप की हार की खुशी हो रही है, तो यह दुखद है, क्योंकि असल में बीजेपी सत्ता में आ गई है, और कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए।

नाशिक में वैश्विक कृषि महोत्सव का ना. पंकजा मुंडे के हाथों भव्य उद्घाटन

लोकनेते मुंडे साहब के गुणों की विरासत स्वीकार कर लोग मुझसे जुड़े

नाशिक, ०९ फरवरी - लोकनेते गोपीनाथराव मुंडे साहब से प्रेम करने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। अगर उनके चाहने वालों को एकजुट किया जाए, तो एक अलग दल खड़ा हो सकता है, इतनी बड़ी ताकत उनके समर्थकों में है। लोग मुंडे साहब के गुणों से प्रेम करते हैं, इसलिए उनकी गुणों की विरासत को स्वीकार कर वे मुझसे जुड़े हैं। इसी भावना को व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजा मुंडे ने अपनी भावनाएं साझा कीं।

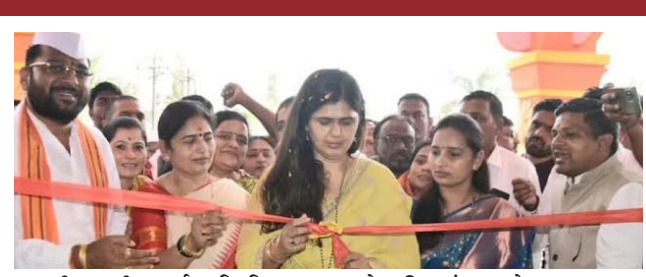

श्री स्वामी समर्थ कृषि विकास एवं अनुसंधान चैरिटेबल ट्रस्ट, दिंडोरी और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वैश्विक कृषि महोत्सव का उद्घाटन आज ना. पंकजा मुंडे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने किसान भाइयों से संवाद किया। इस कार्यक्रम में धुले की सांसद शोभा बच्छाव, विधायक सीमाताई हिरे, अण्णासाहेब मोरे, लक्ष्मण सावजी आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए ना. पंकजा मुंडे ने कहा, मुंडे साहब ने भारतीय जनता पार्टी के जन्म से ही कार्य किया और वास्तव में उन्होंने ही इस पार्टी को खड़ा किया। महाराष्ट्र में बीजेपी को मजबूत करने का कार्य उन्होंने किया। मुंडे साहब से प्रेम करने वालों की संख्या बहुत अधिक है। अगर उनके चाहने वालों को एकजुट किया जाए, तो एक अलग दल खड़ा हो सकता है, इतनी गहरी आस्था लोग उनमें रखते हैं।

उन्होंने आगे कहा, शहरीकरण और नगरीकरण तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन बहुत जरूरी है। पर्यावरण की रक्षा के साथ नदियों का पुनर्जीवन भी आवश्यक है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

'वारकरी भवन' का लोकार्पण

श्रीक्षेत्र संत शक्तिधाम देवस्थान में नाशिक जिले के पहले सुविधासंपन्न 'वारकरी भवन' का लोकार्पण ना. पंकजा मुंडे के हाथों संपन्न हुआ। यह भवन वारकरी समुदाय की सेवा के लिए एक नई दिशा देगा और श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर साबित होगा।

इस अवसर पर अमृतधाम स्वामी महाराज, भाजपा विधायक सीमाताई हिरे, गुरुमाऊली अण्णासाहेब मोरे, गोविंद घुगे, कावेरीताई घुगे आदि उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में घरेलू सामान जलकर राख

दिंद्रुड, ९ (प्रतिनिधि) - माजलगांव तहसील के बडेवाडी गांव में शनिवार रात १२ बजे एक घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से घरेलू सामान जलकर राख हो गया। इस घटना में महत्वपूर्ण दस्तावेज, नकदी और अन्य सामान भी जल गया। प्रभावित किसान को सरकार से आर्थिक सहायता देने की मांग की जा रही है।

बडेवाडी के मोहन नामदेव तिडके के घर में शनिवार रात सभी लोग गहरी नींद में थे, तभी शॉर्ट सर्किट के कारण घर में अचानक आग लग गई। इस भीषण आग में बर्तन, कपड़े, अनाज, महत्वपूर्ण दस्तावेज, हाल ही में बेचे गए कपास की एक लाख रुपये नकद राशि और सोने के गहने जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। अनुमान है कि इस घटना में लगभग दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मैं आरक्षण मांगता हूँ, इसलिए मेरे रिश्तेदार फंसते हैं?–जरांगे का फडणवीस पर निशाना

जालना, ९ (प्रतिनिधि) – राज्यभर में रेत माफियाओं के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कल जालना जिले में नौ लोगों के खिलाफ प्रशासन ने तड़ीपारी की कार्रवाई की, जिसमें मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे के साले विलास खेडकर का भी समावेश है। इस कार्रवाई के बाद जरांगे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है।

उन्होंने सवाल उठाया, मुझे कितना भी अकेला करने की कोशिश करो, लेकिन मैं अब रुकने वाला नहीं हूँ। मैं आरक्षण मांगता हूँ, इसलिए क्या मेरे रिश्तेदारों को फंसाया जा रहा है?

अंबड के उपविभागीय न्यायिक दंडाधिकारी के आदेशानुसार शनिवार रात को तड़ीपारी की कार्रवाई की गई। इस पर मीडिया से बात करते हुए मनोज जरांगे ने कहा, मैं किसी को अपना रिश्तेदार नहीं मानता, बल्कि पूरा राज्य मेरा परिवार है। मराठा आंदोलनकारियों को नोटिस दी जा रही है, और मेरे रिश्तेदारों का नाम लेकर मेरा मुंह बंद करने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने आगे कहा, फडणवीस साहब, अगर आपने मराठाओं को बंधक बनाने का काम किया, तो आपका हिसाब करने में मुझे ज्यादा समय नहीं लगेगा। जरांगे ने कहा, ईमानदार आंदोलनकारियों को आप खरीद नहीं सकते। उन पर दबाव नहीं डाल सकते। मराठाओं ने सोचा था कि वे कहेंगे और फडणवीस उसे लागू करेंगे, लेकिन यह हमारी भोली-भाली सोच थी। बेईमानी और गद्दारी जैसे शब्दों की मुहर अपने ऊपर मत लगने दो। हम सरल लोग हैं, इसलिए हमने आपको दिल खोलकर मदद दी। जब आप मुश्किल में थे, तब हमने साथ दिया। यह सत्ता आपको कभी नहीं मिल पाती, अगर मराठाओं का समर्थन नहीं होता। इस राज्य में मराठाओं के बिना कुछ भी नहीं हो सकता।

उन्होंने आगे चेतावनी देते हुए कहा, अगर सत्ता में आने के बाद आप पलट रहे हैं, तो यह आपके लिए खतरनाक साबित होगा। अपनी गलती सुधारें और दी गई नोटिसें वापस लें्। हम आपको सम्मानजनक व्यवहार देने के लिए तैयार हैं, लेकिन अगर आपने अपनी नीति नहीं बदली, तो 'सम्मान' शब्द को दिमाग से निकाल देना होगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, ३१ नक्सलियों कि मौत

बिजापुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। बीजापुर के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ में अब तक ३१ नक्सली मारे गए हैं, जबकि दो सैनिक शहीद हो गए हैं। इसके अलावा, दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए हेलिकॉप्टर से रायपुर भेजा गया है।

कैसे हुई मुठभेड़?

बीजापुर जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पुलिस को मिली थी। इस सूचना पर सुरक्षा बलों की टीम नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई। इसी दौरान, रविवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा।

यह मुठभेड़ बीजापुर–नारायणपुर सीमा पर हुई, जहां सुरक्षा बलों ने ३१ नक्सलियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में दो जवान शहीद हुए हैं और दो घायल हैं। घायल सैनिकों को हेलिकॉप्टर से रायपुर भेज दिया गया है।

किन बलों ने लिया हिस्सा?

इस मुठभेड़ में डीआरजी (उ्रङ्क), एसटीएफ (ड्ढञ्रस्न) और महाराष्ट्र की सी-६० (उ-६०) कमांडो टीम शामिल थी। मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के कई स्वचालित हथियार जब्त किए गए हैं।

मुठभेड़ का स्थान और ऑपरेशन का विवरण

बीजापुर जिले के फरसेगढ़ क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई, जिसे नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। यहां नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद महाराष्ट्र की डीआरजी, एसटीएफ और सी-६० कमांडो की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें चार सैनिक घायल हुए।

इस हमले में दो सैनिक शहीद हो गए, जबकि जवाबी कार्रवाई में ३१ नक्सली मारे गए। अभी भी इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

घर में सेंधमारी कर साढ़े चार लाख के गहने और नकदी चोरी

अंबाजोगाई, ९ (प्रतिनिधि) – शहर के विमलसृष्टि इलाके में अज्ञात चोरों ने एक घर में सेंधमारी कर करीब ४.५ लाख रुपये के सोने के गहने और नकदी चुरा ली। इस घटना को लेकर गणपति सुरेशराव बुरगे ने शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

गणपति सुरेशराव बुरगे (उम्र ३०) अपनी पत्नी शिल्पा के साथ विमलसृष्टि में रहते हैं और अंबाजोगाई शहर में सैमसंग मोबाइल की दुकान चलाते हैं्। ३ फरवरी २०२५ को शाम ५ बजे वे किसी काम से महमदापुर गए थे, तब उन्होंने घर में ताला लगा दिया क्योंकि घर पर कोई मौजूद नहीं था। उनकी पत्नी शिल्पा बुरगे परीक्षा देने के लिए पुणे गई थीं्।

७ फरवरी की रात ८ बजे जब वे घर लौटे, तो देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। चूंकि मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था, उन्होंने पिछले दरवाजे से घर में प्रवेश किया। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। ऊपर के मंजिल पर स्थित बेडरूम में अलमारी का लॉकर तोड़कर चोरों ने सोने के गहने और नकदी चोरी कर ली थी।

चोरी गई वस्तुओं की अनुमानित कीमत ४ लाख ५० हजार रुपये बताई जा रही है, जिसमें –

५ तोला सोने की चूड़ियां,
५ तोला सोने की चेन,
५ ग्राम की सोने की अंगूठी,
३० हजार रुपये नकद शामिल हैं्।

गणपति बुरगे ने अंबाजोगाई शहर पुलिस स्टेशन में यह विवरण दर्ज कराया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और जांच शुरू कर दी है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह चोरी ३ फरवरी से ७ फरवरी के बीच हुई होगी। फिलहाल अंबाजोगाई शहर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

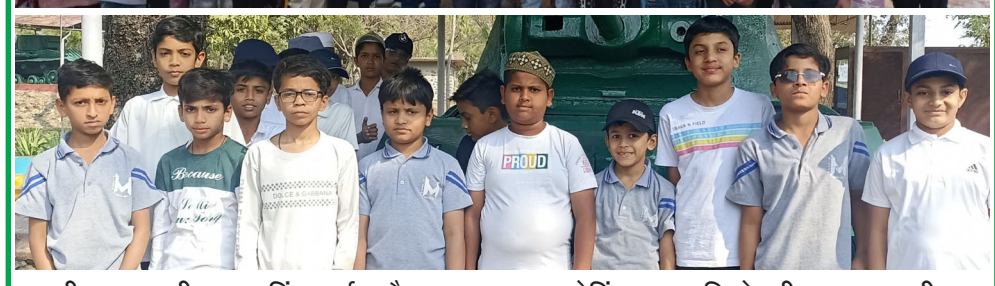

एचएम किंडरगार्टन और एचएम कोचिंग अकादमी द्वारा अहमदनगर कैवेलरी टैंक म्यूजियम और साइबन गार्डन के लिए शैक्षिक यात्रा का आयोजन

बीड, ९ फरवरी: एचएम किंडरगार्टन और एचएम कोचिंग अकादमी ने छात्रों के लिए अहमदनगर के प्रसिद्ध कैवेलरी टैंक म्यूजियम की शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को इतिहास का बहुमूल्य ज्ञान प्रदान करना और सीखने की प्रक्रिया को और अधिक रोचक और आकर्षक बनाना था।

कैवेलरी टैंक म्यूजियम में, एक अधिकारी ने छात्रों को विभिन्न टैंकों और सैन्य इतिहास की विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने अधिकारी द्वारा दी गई गहन जानकारी को बड़े ध्यान से सुना और संग्रहालय में प्रदर्शित विभिन्न टैंकों और वस्तुओं को देखने में गहरी रुचि दिखाई। इस यात्रा के आधार पर छात्र अपनी प्रोजेक्ट फाइल तैयार करेंगे।

इसके बाद, पूरा समूह साइबन गार्डन पहुंचा, जहां छात्रों के लिए मनोरंजन और रोमांच से भरपूर गतिविधियों का आयोजन किया गया:

पपेट शो – बच्चों को लुभाने वाला और मनोरंजक कार्यक्रम।

बोटिंग – प्रकृति के बीच एक ताजगी भरा अनुभव।

ज़िपलाइन – एक साहसिक खेल जिसने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाया।

रेन डांस – पानी और संगीत के साथ मजेदार अनुभव।पुष्पक विमान सवारी – एक अनोखी और रोमांचक यात्रा।

ब्रह्म पुल – एक सुंदर वास्तुकला का अवलोकन।

यह पूरी यात्रा शिक्षा और मनोरंजन का एक आदर्श संगम थी। छात्रों ने इतिहास, विज्ञान और रोमांच को एक मजेदार माहौल में सीखा। इस यात्रा ने छात्रों के अनुभवों को समृद्ध किया और उनके सीखने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया।

ऐसे शैक्षणिक दौरों से छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है। एचएम किंडरगार्टन की प्रधानाचार्या मारिया दाहोदवाला ने भविष्य में भी इस तरह के इंटरैक्टिव लर्निंग कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया है।

मैं येडेश्वरी नहीं, बल्कि कर्नाटक गया था; मुकादम का लिखित बयान

बीड: मैं येडेश्वरी शुगर मिल लि. में मुकादम (ठेकेदार) के रूप में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता हूं। इस दौरान, मैं मिल के कर्मचारियों के साथ काम के सिलसिले में कर्नाटक गया था। लेकिन मेरी बेटी को इस बारे में जानकारी नहीं थी, जिससे उसे गलतफहमी हुई और वह पुलिस थाने पहुंच गई। इसलिए, मेरी ओर से येडेश्वरी शुगर मिल के खिलाफ कोई भी शिकायत नहीं है, ऐसा मुकादम किसन सुर्वे ने अपने लिखित बयान में कहा है।

बयान में क्या कहा गया है?

मुकादम किसन भानुदास सुर्वे (उम्र ३२, निवासी: सूर्याचीवाडी) ने बीड ग्रामीण पुलिस थाने में दिए अपने लिखित बयान में बताया कि:

मैं येडेश्वरी शुगर मिल लि. में मुकादम के रूप में काम करता हूं और अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूं। ७ फरवरी को सुबह १० बजे, अपने साले सदाशिव सातेराम चव्हाण के साथ कर्नाटक गया था। वहां, मुकादम अयूब हबीब शेख के पास येडेश्वरी शुगर मिल का कुछ बकाया था, जिसे वसूल करने के लिए हम मिल के कुछ कर्मचारियों के साथ कर्नाटक गए थे।

कर्नाटक जाने की जानकारी मैंने अपने घरवालों को नहीं दी थी। वहां मुकादम अयूब हबीब शेख को खोजने में मुझे एक दिन लग गया। ९ फरवरी को जब मैं बीड लौटा, तो गांव के लोगों ने मुझे बताया कि मेरी बेटी शीतल सदाशिव चव्हाण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने गई थी।

मैं स्वेच्छा से कर्नाटक गया था, कोई जबरदस्ती नहीं हुई – मुकादम सुर्वे

इसलिए, मैं और मेरा साला तुरंत दोपहर ३ बजे बीड ग्रामीण पुलिस थाने पहुंचे और मैंने शीतल को बताया कि मैं कर्नाटक गया था। मैं स्वेच्छा से येडेश्वरी शुगर मिल के कर्मचारियों के साथ वहां गया था। मेरी किसी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है, ऐसा मुकादम किसन सुर्वे ने अपने बयान में स्पष्ट किया।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com